तापमान

अधिकतम 36.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 21 दिसंबर 2025

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4

दंतैल हुआ हिंसक, पर्यटकों के लिए कॉफी पाइंट किया गया बंद, सतरेंगा में भी मंडरा रहा खतरा

खबर संक्षेप

सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ गणित मेला

कोरबा। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमुंडा में शनिवार को महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर गणित मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य चिंतामणि कौशिक, गणिताचार्य रामशरण कश्यप, अनूप सावलकर तथा विज्ञान प्रमुख श्रीमती अंजना पाराशर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। गणित विषय को रोचक एवं सरल बनाने के उद्देश्य से गणितीय चार्ट, मॉडल, मापन गतिविधियां एवं विविध प्रदर्शनी प्रस्तुत की। इसके साथ ही प्रश्न मंच के माध्यम से प्रश्नोत्तर कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

ब्राह्मण समाज ने सतरेंगा में किया वनभोज

कोरबा। प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा 18 दिसंबर को सतरेंगा में वनभोज कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन में सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने साथ मिलकर वनभोज, बोटिग, गेम और सुंदर स्थल का आनंद लिया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष भारती शर्मा, वंदना तिवारी, रश्मि शर्मा और निशा के मार्गदर्शन में सभी कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर शजिंता शुक्ला, अजय शुक्ला विजय लक्ष्मी शर्मा, सुनील मिश्रा, सतीश, विभा तिवारी, वंदना तिवारी, श्रीमती श्यामा, सुनीता बिनु मिश्रा, रानी दुबे, आरती शर्मा, भारती मिश्रा, विजय लक्ष्मी मिश्रा, अजय शुक्ला मेघराज तिवारी, सीमा, सुमन, श्रद्धा, अर्चना, प्रियंका, निशांत, रत्ना तिवारी, सुषमा रीता सहित अन्य समाज के लोग शामिल हुए। उक्त जानकारी प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रांजल शुक्ला ने दिया।

आर्या महिला समूह ने किया रक्तदान

कोरबा। पटेल नगर वार्ड क्र 58 कि आर्या महिला समूह द्वारा नवगुनजरा वेलफेयर फाउंडेशन सोसाइटी छत्तीसगढ़ के तत्वधान में साडा कॉलोनी पटेल नगर वार्ड 58 में आयोजित एक दिवसीय स्वैक्षिक रक्तदान शिविर में शामिल होकर अपना सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया गया। रक्तदान शिविर में महिला समूह के सदस्यों द्वारा राकदान किया गया। समूह कि अध्यक्ष अंजू शरण द्वारा अपने सदस्यों सुनीता साहू, सरिता शर्मा,अनीता सिंग,एवं रीता कौशल के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई गई। इस अवसर पर सदस्य सरिता शर्मा, सुनीता साहू, रीता कौशल ने रक्तदान किया गया। नवगुनजरा वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य रामदेव सिंह एवं विकास सिंह द्वारा आर्या महिला समूह के सदस्यों को रक्तदान किये जाने पर प्रमाण पत्र दिया गया। समूह की अध्यक्ष अंजू शरण को रक्तदान शिविर में अपने महिला सदस्यों की उपस्थिति दर्ज करवाए जाने पर सम्मानित किया गया।

युवा उत्सव, विजेता प्रतिभागी संभाग में दिखाएंगे हुनर

कोरबा। राज्य के युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्व वर्षों की भांति वर्ष 2025-26 में भी खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिले में 19 एवं 20 दिसंबर को सुबह 10 बजे से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 में संपन्न हुआ। जिला स्तरीय युवा उत्सव में विभिन्न विधाओं में चयनित विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव, बिलासपुर में 23 से 25 दिसंबर के मध्य सहभागिता हेतु सम्मिलित कराया जाएगा। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विजेता प्रतिभागी जिनमें लोक नृत्य में थिरमन दास महंत पंथी नृत्य में पोड़ी उपरोड़ा दल, राउत नाचा में पीजी कॉलेज, सुआ नृत्य एवं करमा नृत्य में घोटमार दल विजेता रहा।

मेडिकल कॉलेज पहुंचे कलेक्टर दुदावत, चिकित्सकों की सूची व नंबर प्रदर्शित करने कहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

नवपदस्थ कलेक्टर कुणाल दुदावत ने स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में अपनी रणनीति प्रारंभ कर दी है। इस कड़ी में उन्होंने शनिवार की सुबह स्व बिसाहूदस महंत स्मृति मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। अस्पताल में प्रवेश करते ही उन्होंने एक आम मरीज की तरह आवश्यकताओं को भांपते हुए पंजीयन कक्ष एवं इमरजेंसी सेवा के पास सेवारत चिकित्सकों के नाम एवं उनके मोबाइल नंबरों की सूची प्रदर्शित करने और शासन द्वारा मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं का उल्लेख करते हुए जानकारी को डिस्प्ले करने के निर्देश दिए।

अलग खबर

लगभग दो घंटे तक उन्होंने अस्पताल में अपना समय देते हुए मरीजों, मरीजों के परिजनों, एनआरसी में दाखिल बच्चों की माताओं से स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लीं और उन्हें कॉलेज प्रबंधन द्वारा दी जा रही सुविधाओं को भी परखने का काम किया। कलेक्टर श्री दुदावत ने पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के मनोरंजन के लिए ⏭शेष पेज 3 पर

स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने की जरूरत

खास बातें

- विभागों को कार्य योजना बनाने के लिए दिए निर्देश
- मेडिकल कॉलेज को भवन उपलब्ध कराने के निर्देश

लिफ्ट सहित सेंट्रल एसी एवं रैंप का होगा निर्माण

कलेक्टर ने नवजात शिशु इकाई (एसएनसीयू) निर्माण कार्य, ऑपरेशन थियेटर एक्सटेंशन, पोस्टमार्टम कक्ष, वायरोलॉजी लैब का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। हमर लैब में ऑनलाइन रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने, छत के ऊपर रखी अनुपयोगी सामग्रियों को हटाने तथा बारिश के समय छत से पानी रिसाव न हो इसके लिए पीडब्ल्यूडी के माध्यम से मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बंद पड़े स्टोर रूम से सामग्रियों को सीएमएचओ कार्यालय स्थानांतरित कर मेडिकल कॉलेज को भवन उपलब्ध कराने, सोनोग्राफी, डायलिसिस, फिजियोथेरेपी, दवा वितरण, ब्लड बैंक, रेडक्रॉस एवं ट्रामा सेंटर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। कलेक्टर श्री दुदावत ने मरीजों की सुविधा के लिए लिफ्ट, सेंट्रल एसी एवं रैम्प निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने, निचले तल पर रखी कबाड़ सामग्री हटाने, सीपेज एवं ड्रेनेज की समस्या दूर करने तथा पार्किंग समस्या के समाधान हेतु स्टीमेट तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

दुर्ग से लेकर जगदलपुर तक फैला प्रदूषण का साया

कोरबा की हवा संतोषजनक तो रायपुर की हवा अत्यंत चिंताजनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

लंबे समय बाद ऊर्जाधानी कोरबा में निवासरत लोगों के लिए एक राहतभरी खबर है। आये दिन देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शुमार होने की खबर के बाद अब पहली बार जिले की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) प्रदेश के अन्य शहरों से सबसे कम पायी गई है। राज्य की राजधानी रायपुर में सबसे अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक 288 तो जिले में सबसे कम 98 पायी गई है। रायपुर की एक्यूआई अत्याधिक चिंताजनक तो जिले की एक्यूआई संतोषजनक मिलने से लोगों ने राहत ली है।

खास बात

- रायपुर में 288 तो कोरबा में सबसे कम 98 वायु गुणवत्ता सूचकांक

उल्लेखनीय है कि उत्तर दिशा से बह रही ठंडी हवा ने पूरे मध्य छत्तीसगढ़ को प्रदूषण के शिकंजे में जकड़ दिया है। राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 228 दर्ज किया गया, जो सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। रायपुर के साथ दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद और कांकेर तक पीएम 2.5 व पीएम 10 के महीन कण हवा में घुलकर सांस लेना मुश्किल बना रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ठंड में हवा की गति कम होने से प्रदूषण फैलने के बजाय एक ही क्षेत्र में लंबे समय तक ठहर जाता है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। यहां बताना होगा कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) जितना कम हो उतना बेहतर माना जाता है। 0 से 50 तक एक्यूआई होने पर हवा अच्छी और सुरक्षित रहती है। 51 से 100 संतोषजनक है। 100 से ऊपर पहुंचते ही प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने लगता है। औद्योगिक गतिविधियां, डीजल वाहनों की भारी आवाजाही, खराब सड़कों से उड़ती धूल और खेतों में जलाई जा रही पराली इस संकट को और गहरा रही है। पेड़ों की कमी के कारण प्रदूषक कण वातावरण में ही टिके रहते हैं। यही वजह है कि रायपुर से लेकर आसपास के जिलों तक हवा जहरीली होती जा रही है।

सुबह के समय शहर में छाया कोहरा।

यह कह रहे विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञों की मानें तो ठंड के मौसम में हवा की औसत गति करीब 2 किलोमीटर प्रति घंटा रहती है। इतनी कम रफ्तार में प्रदूषक कण एक ही इलाके में जम जाते हैं। उद्योगों और डीजल वाहनों से निकलने वाले कार्बन कण, खेतों में जलाई जा रही पराली और सड़कों की धूल मिलकर हवा को और जहरीला बना रहे हैं।

आगे कम होगा प्रदूषण

बसंत ऋतु में हवा की गति बढ़ने से प्रदूषण कुछ हद तक कम हो सकता है, जबकि बारिश के मौसम में हालात काफी सुधरते हैं। फिलहाल चिकित्सक और विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को खास सतर्कता बरतने, मास्क पहनने और अनावश्यक बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है।

प्रदेश के प्रमुख जिलों की वायु गुणवत्ता स्थिति (एक्यूआई)

रायपुर	228 (अत्यंत चिंताजनक)
दुर्ग	192 (स्वास्थ्य पर असर)
बिलासपुर	190 (गंभीर)
जगदलपुर	107 (सतर्कता जरूरी)
रायगढ़	100 (फिलहाल राहत)
कोरबा	98 (संतोषजनक)

डीजल टैंकर और ऑल्टो कार के बीच हुई भिड़ंत, एक की मौत, 4 गंभीर

घायल को अस्पताल ले जाते।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

कटघोरा थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 130 पर तानाखार इलाके में एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां डीजल टैंकर और ऑल्टो कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

मृतक की पहचान सूरजपुर निवासी अजहर शेख पिता अमानुल्लाह खान के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि ऑल्टो कार में कुल पांच लोग सवार थे, जो सूरजपुर से कटघोरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी कार सामने से आ रहे डीजल टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल चार लोगों को गंभीर अवस्था में तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में से एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। दुर्घटना के बाद नेशनल हाईवे 130 पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद सड़क से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था को बहाल कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक सड़क हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने पर कांग्रेस का हल्ला बोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

भारतीय राजनीति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली मनरेगा योजना से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने के विषय ने अब तूल पकड़ लिया है। इस मुद्दे पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कोरबा जिला कांग्रेस कमेटी ने आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है।

खास बात

- जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आज

जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वय मुकेश राठौर एवं मनोज चौहान ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस गंभीर विषय पर रणनीति तैयार करने के लिए आगामी 21 दिसंबर, रविवार को दोपहर 2:30 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक आहूत की गई है। मुकेश राठौर ने बैठक की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाना न केवल उनके योगदान का अपमान है, बल्कि यह एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। बैठक में इस विषय पर विस्तृत चर्चा और वरिष्ठ नेताओं के उद्बोधन होंगे, जिसके तत्काल पश्चात कांग्रेस जन सड़कों पर उतरकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराएंगे। आंदोलन को व्यापक स्वरूप देने के लिए संगठन ने अपनी पूरी ⏭शेष पेज 3 पर

पड़ोसी जिले के जुआरी भेलवाटार के जंगल में चला रहे थे फड़, छापा, टीआई निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पड़ोसी जिला जांजगीर चांपा से बड़ी संख्या में जुआरी करतला के जंगल में पहुंचते थे और जुए के गोरख धंधे को अंजाम देते थे। जिला पुलिस की एक संयुक्त टीम ने जंगल में दबिश दी, जहां जुआ खेलते हुए 20 जुआरी से ढाई लाख रूपये नकद, 52 पत्ती ताश, मोबाइल, मोटरसायकल, चार पहिया वाहन जब्त किया है। जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की है। वहीं दूसरी ओर करतला थाना प्रभारी की लापरवाही सामने आते ही इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने करतला थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है और मामले की जांच का आदेश दिया है।

खास बातें

- 20 जुआरियों से ढाई लाख रुपए किया गया जब्त
- करतला थाना क्षेत्र के ग्राम भेलवाटार में पुलिस की संयुक्त टीम ने मारा था छापा

पुलिस गिरफ्त में जुआरी एवं जब्त मोटरसायकल।

बताया जाता है कि करतला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भेलवाटार में लंबे समय से जुआरियों की महफिल सज रही थी। मुखबीर से इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के कानों तक पहुंची थी फिर क्या था जुआरियों को धर दबोचने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर सायबर सेल थाना उरगा और चौकी रजगामार की संयुक्त टीम ने थाना करतला क्षेत्र के भेलवाटार जंगल में छापेमारी की कार्यवाही की। जहां जुआ खेलते हुए पड़ोसी जिले जांजगीर चांपा के के 20 जुआरियों को पुलिस ने रंगे हाथों धर दबोचा है, तो वहीं दूसरी ओर विगत दिनों पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ⏭शेष पेज 3 पर

इन आरोपियों के खिलाफ हुई कार्यवाही

पुलिस ने जिले की सायबर सेल उरगा व रजगामार चौकी पुलिस की संयुक्त टीम भेलवाटार में छापा मारा था, जहां जुआ खेलते हुए पड़ोसी जिला जांजगीर चांपा कृष्ण कुमार साहू पिता स्व. महेतर लाल साहू उम्र 36, कुसमुंडा निवासी अभय कुमार लांझी पिता राजू लाझी उम्र 24 वर्ष, अछीमार लाईन रामपुर निवासी सुभाष दास पिता दुखी दास उम्र 42 वर्ष, पामगढ जिला जांजगीर चांपा निवासी सुरीत चेलकर पिता स्व. रामप्यारे चेलकर उम्र 42 वर्ष, चचिया निवासी विजय कुमार पटेल पिता स्व. धनराम पटेल उम्र 44 वर्ष, संजयनगर जांजगीर चांपा निवासी डकेश्वर देवांगन पिता लक्ष्मीचन्द देवांगन उम्र 39 वर्ष, बरीडिह उरगा निवासी रामप्रसाद कंवर पिता सुना राम कंवर उम्र 45 वर्ष, रामपुर करतला निवासी संतोष साहू पिता राम लाल साहू उम्र 43 वर्ष, किदा थाना छाल जिला रायगढ़ निवासी दिलीप गुप्ता पिता स्व. रामशेवक गुप्ता उम्र 56 वर्ष, सीतामणी झमलीडुग्गु निवासी सतोष कुमार वैष्णव पिता स्व० गवकरण प्रसाद उम्र 40 वर्ष साकिन, सीतामाणी निवासी कलीम कुरैशी पिता सलीम कुरैशी उम्र 36 वर्ष, रामपुर करतला निवासी विजय पटेल पिता सम्मेलाल पटेल उम्र 25 वर्ष, अग्रसेन चौक निवासी दिनेश कुमार शर्मा पिता मुरली धर शर्मा उम्र 42 वर्ष, जांजगीर पुरानी बस्ती जांजगीर चांपा निवासी रवि राठौर पिता राम प्रसाद राठौर उम्र 41 वर्ष, लक्षनपूर जांजगीर चांपा निवासी चूडामणी साहू पिता रथलाल साहू उम्र 42, पेण्ड्री जांजगीर चांपा निवासी अजय कुमार केंवट पिता रामलाल केंवट उम्र 28 वर्ष, भोजपुर जांजगीर चांपा निवासी नागेन्द्र चौहान पिता शांतिलाल चौहान उम्र 30 वर्ष, भोजपुर जांजगीर चांपा निवासी महावीर चौहान पिता बिन्दु चौहान उम्र 21 वर्ष, पुरानी बस्ती जांजगीर चांपा निवासी रामेन्द्र राठौर पिता रतन लाल राठौर उम्र 43 वर्ष, देवागंन पारा वार्ड क्र. 20 जांजगीर चांपा निवासी चन्द्रकांत देवांगन पिता बद्रीप्रसाद देवांगन उम्र 50 वर्ष को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आखिर कहां गए सामाजिक सरोकार के दावे

एसईसीएल अस्पताल में गैर कर्मियों व सिविलियन को उपचार नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल प्रबंधन लगातार कर्मचारी कल्याण के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व के बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन वास्तविकता से इसका लेना-देना नहीं है। सुराकछार, बलगी, बांकी उपक्षेत्र के अंतर्गत संचालित एसईसीएल के विभागीय अस्पताल में कर्मचारियों को उपचार तो मिल रहा है लेकिन गैर कर्मियों व आसपास के लोगों को उपचार देने में अस्पताल इंचार्ज आनाकानी कर रहे हैं। उपक्षेत्रीय प्रबंधन को इस मामले से अवगत कराया गया है।

एसईसीएल कोरबा एरिया के अंतर्गत यह अस्पताल आता है। कोल इंडिया जैसी महारत्न कंपनी ने अपनी लाभकारी इकाई एसईसीएल और इसके महत्वपूर्ण हिस्से कोरबा के मामले में लगातार उदारता दिखाई है लेकिन पता नहीं क्या समझकर सुराकछार, बलगी, बांकी उपक्षेत्र में स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधा आम लोगों और गैर एसईसीएल कर्मियों को देने में उदासीनता दिखाई जा रही है। काफी समय से यह मामला यहां पर बना हुआ है, इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। खबर के अनुसार बांकी अस्पताल में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। इसकी जानकारी प्रबंधन को है लेकिन निराकरण करने पर ध्यान नहीं है। नगर पालिका बांकीमोंगरा के पार्षद अश्वनी मिश्रा ने जन भावनाओं से जुड़े इस मुद्दे पर उपक्षेत्रीय प्रबंधन को शिकायत की है। बताया गया कि इस विभागीय अस्पताल में लोगों को प्राथमिक उपचार नहीं मिल पा रहा है। ऐसे लोगों को दो हजार रुपए कहीं से भी लाकर जमा करने को कहा जाता है। इस राशि के अभाव में उन्हें उपचार की सुविधा नहीं मिल पाती है, जबकि मरीजों की प्राण रक्षा को पहला धर्म कहा गया है और सरकार भी इस तरफ जोर दे रही है। पार्षद ने कहा कि सरकार ने गोल्डन ऑवर इसी इरादे से बनाए हैं ताकि जान बच सके। इसके बावजूद इधर ध्यान नहीं है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इस अस्पताल में एक्स-रे चार्ज लेने के बावजूद मरीजों की जांच के प्रकरण में उन्हें एक्स-रे फिल्म देने के बजाय वाट्सऐप पर स्क्रीन शार्ट भेजा जा रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर सेवाओं में सुधार कब होगा?

पोलियो की दवा पिलाने दिया जागरुकता संदेश

ढेलवाडीह। ढेलवाडिह में पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 21 दिसंबर को 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जानी है। इस अभियान को सफल बनाने हेतु मिडिल स्कूल ढेलवाडिह के बच्चों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें अनिवार्य रूप से खुराक पिलाने प्रेरित किया गया।

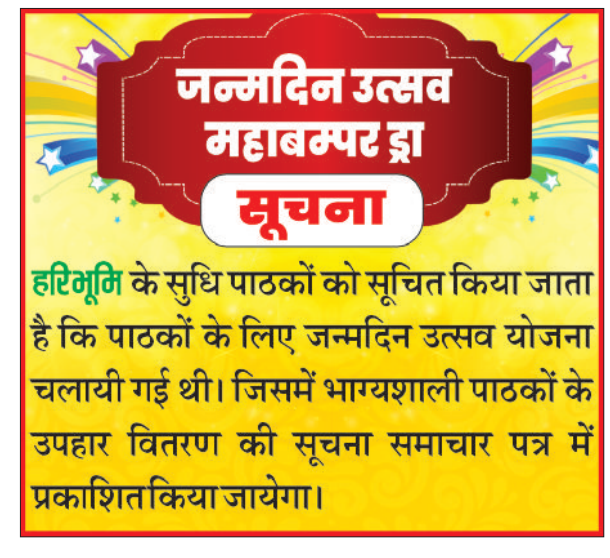

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशू के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

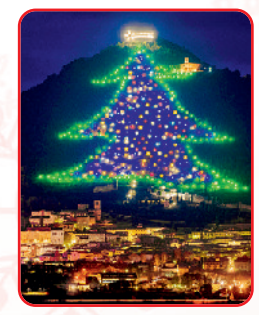

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड डाइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीदः चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकताः यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमाः क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

अमेजिंग / शिखर चंद जैन

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री
यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसएः चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटलीः यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

स्काई ट्री जापानः क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसएः न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

कविता / हेमधर शर्मा

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले

उपेक्षा के आंसू

एआई इमेज

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

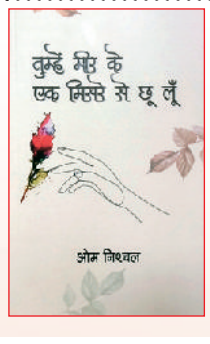

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तकः तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकारः ओम निश्चल, मूल्यः 300 रुपए, प्रकाशकः हिंदी अकादमी, दिल्ली

खबर संक्षेप

बस स्टैण्ड एवं शिव मंदिर मार्ग से हटाया गया बेजा कब्जा

पाली। अनुविभागीय अधिकारी पाली के मार्गदर्शन में शनिवार को नगर पंचायत पाली स्थित बस स्टैण्ड से अवैध एवं बेजा कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई। दुकानदारों द्वारा सड़क के सामने शेड लगाकर दुकान का संचालन किया जा रहा था, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न हो रही थी और आए दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होती थी। इससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था तथा दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी। नगर पंचायत पाली द्वारा पूर्व में संबंधित दुकानदारों को नोटिस भी जारी किया गया था और अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस के बाद भी कब्जा नहीं हटाए जाने पर प्रथम चरण में शनिवार को बस स्टैण्ड पाली एवं शिव मंदिर पाली से चैतुरगढ़ मार्ग के मुख्य मार्ग के दोनों ओर किए गए बेजा कब्जे को हटवाया गया। कार्यवाही के दौरान सभी दुकानदारों को पुनः नोटिस जारी कर समझाइश दी गई कि भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण न करें। बेजाकब्जा हटाने की इस कार्यवाही में तहसीलदार पाली भूषण सिंह मंडावी, नायब तहसीलदार पाली मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत पाली, थाना प्रभारी पाली एवं संबंधित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि आमजन की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आगे भी इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

ई नीलामी के संशोधित नियमों के विरोध में जीटा का अल्टीमेटम

कोरबा। कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक अक्टूबर 2025 से लागू नये ई नीलामी के नियमों को लेकर जीटा ने विरोध दर्ज कराया है। जीटा ने सीआइएल को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि नये नियम वापस नहीं लिये गये, तो एमएसएमइ और कोक उद्योग व्यवसायी कोयला उठाव बंद कर देंगे। जीटा के अध्यक्ष अमितेश सहाय और महासचिव राजीव शर्मा ने कहा कि सीआइएल द्वारा लागू तृतीय पक्ष नमूनाकरण, ग्रेड समायोजन के बाद अतिरिक्त भुगतान, बैंक गारंटी बीजी ई-बीजी और इंडेम्निटी बॉन्ड की अनिवार्यता जैसे प्रावधान छोटे व्यापारियों के लिए असहनीय बोझ बन गये हैं। ग्रेड 7-10 दिन बाद बदलने से व्यापारी अपने ग्राहकों से मूल्य अंतर वसूल नहीं कर सकते। जिससे प्रति लॉट 800 से 2 हजार तक का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि इससे छोटे उद्योगों पर वित्तीय दबाव बढ़ेगा और नीलामी में भागीदारी घटेगी। जीटा ने कहा कि यदि सीआइएल ने तत्काल इस नीति की समीक्षा कर नये नियम वापस नहीं लिये, तो बीसीसीएल से भी कोयला उठाव सीसीएल की तरह रोक दी जायेगी।

सीटू के द्विवार्षिक सम्मेलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबा। भारत अल्युमिनियम एम्पलाइज यूनियन सीटू का द्विवार्षिक सम्मेलन सीटू कार्यालय बालको नगर में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की शुरुआत संगठन के अध्यक्ष कामरेड सुखेंदु घोष के द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। सम्मेलन में मुख्य उपस्थिति छत्तीसगढ़ सीटू के प्रदेश अध्यक्ष कामरेड एस एन बैनर्जी की रही। नये कमेटी के रूप में संघ का महासचिव का दायित्व कामरेड अमित गुप्ता को तथा अध्यक्ष के लिए कामरेड एस घोष व कोषाध्यक्ष के लिए कामरेड धीरज भोसले का नाम सर्वसम्मति से चुन लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष कामरेड एस. एन. बैनर्जी ने बताया कि कैसे सरकार के द्वारा चार लेबर कोर्ट बिल के माध्यम से मजदूरों के प्राप्त अधिकारों पर हमला किया गया है, जिससे आने वाले भविष्य में श्रमिकों का नेतृत्व करना तथा श्रमिकों को नौकरी कर पाना दोनों हीं बहुत ही मुश्किल हो जाएगा।सम्मेलन में दो प्रस्ताव असंगठित मजदूरों की एकता को मजबूत करने का प्रस्ताव तथा लेबर कोर्ट बिल वापस लेने का प्रस्ताव लाया गया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। सम्मेलन में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ परिवहन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कॉ जी डी महंत छतीसगढ़ सशक्त दिव्यांग संघ के महासचिव कॉ संतोष बंजारे, प्रदीप चंद्रा,वरिष्ठ कॉमरेड साथी कॉ आर. डी. चंद्रा व कॉ रमेश चंद्रा की उपस्थिति थी ,संगठन के अध्यक्ष कामरेड एस घोष ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सम्मेलन की समाप्ति की घोषणा की।

निगम के सभी जोन में आयोजित किया गया गुड गवर्नेंस वीक शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

नगर निगम के सभी 7 जोन कार्यालयों में शनिवार को गुड गवर्नेंस वीक शिविरों का आयोजन किया गया, अपनी शिकायतें, समस्याएं व आवेदन लेकर शिविर में पहुंचे, नागरिकों के आवेदनों को पंजीबद्ध करते हुए त्वरित निराकृत होने वाली समस्याओं का मौके पर पहुंचकर निराकरण कराया गया, वहीं ऐसी समस्याएं व मांग जिन्हें निराकृत करने में समय लगेगा, उन आवेदनों को पंजीकृत करते हुए इनका क्रमबद्ध समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित कराया जाएगा।

नगर निगम के कोरबा जोन, टीपी नगर जोन, कोसाबाड़ी जोन, रविशंकर नगर जोन, बालको जोन, दर्री जोन व सर्वमंगला जोन में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक गुड गवर्नेंस वीक शिविर आयोजित किए गए, इन शिविरों में जन्म-मृत्यु पंजीयन, व्यापार अनुज्ञप्ति, विवाह प्रमाण पत्र, भवन अनुज्ञा, जलकर एवं सम्पत्तिकर, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, नल कनेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण आदि कार्यों के साथ-साथ नल लिकेज, नलों में पानी न आना, नालियों, गलियों की सफाई, सार्वजनिक नलों से पानी का बहाव, कचरे की सफाई व परिवहन, टूटी-फूटी नालियों का मरम्मत, सड़कों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाईट के बल्ब, ट्यूब आदि का बंद रहना आदि से जुड़ी समस्याओं, शिकायतों व आवेदनों को लेकर पहुंचे आमनागरिकों के आवेदनों को पंजीकृत किया गया तथा उनकी ऐसी समस्याओं व शिकायतों जिनका त्वरित निराकरण संभव था, उनका मौके पर पहुंचकर निगम अमले ने निराकरण कराया तथा ऐसी मांग व समस्याएं जिनमें प्रक्रियागत समय लगना है, उन आवेदनों को पंजीकृत करते हुए उनके त्वरित निराकरण की क्रमबद्ध कार्यवाही भी निगम द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। निगम के उपायुक्त पवन वर्मा ने बताया कि रविवार को भी निगम के सभी 7 जोन में गुड गवर्नेंस वीक शिविरों का आयोजन किया जाएगा तथा निगम से संबंधित समस्त कार्यों से जुड़ी समस्याओं, शिकायतों व मांग आदि के आवेदन आमनागरिकों से प्राप्त किए जाएंगे।

शिविर में लोगों की समस्याओं का किया गया निराकरण

किसानों को सुगम, पारदर्शी एवं सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध कराने पर विशेष जोर

कलेक्टर की अध्यक्षता में धान खरीदी की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित

बैठक लेते कलेक्टर व उपस्थित अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कलेक्टर की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में संचालित धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त उपार्जन केंद्रों की प्रगति, व्यवस्थाओं, चुनौतियों एवं समाधान बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर शेष सभी पंजीकृत किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लघु एवं छोटे किसानों से प्राथमिकता के आधार पर पहले धान खरीदी की जाए, जबकि मध्यम एवं बड़े किसानों से चरणबद्ध तरीके से खरीदी की जाए, जिससे किसी भी उपार्जन केंद्र पर अनावश्यक भीड़ या अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में धान खरीदी का कार्य पूर्णतः सुचारू, पारदर्शी एवं किसान-हितैषी ढंग से संचालित होना चाहिए। यह शासन की एक महत्वपूर्ण योजना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों में साफ-सफाई, व्यवस्थित रख-रखाव एवं मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय, छायादार बैठने की व्यवस्था आदि की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान विक्रय के दौरान किसानों किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें एक सहज एवं सकारात्मक अनुभव प्राप्त हो, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर श्री दुदावत ने उपार्जन केंद्रों में किसानों को जागरूक करने हेतु बैनर, पोस्टर एवं सूचना पटल व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से लगाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को धान खरीदी, टोकन, नमी मापदंड एवं भुगतान संबंधी सभी आवश्यक जानकारियाँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि टोकन व्यवस्था में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किसानों को समान रूप से सुविधा मिलनी चाहिए और किसी भी किसान को टोकन प्राप्त करने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। उपार्जन केंद्रों के आसपास निवासरत स्व-सहायता समूहों को स्टॉल लगाने हेतु स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाए, जिससे किसानों को धान विक्रय के दौरान भोजन, चाय-पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उसी परिसर में उपलब्ध हो सकें और उन्हें दूर भटकना न पड़े। अतिसंवेदनशील उपार्जन केंद्रों पर नियमित रूप से गठित टीमों द्वारा सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने, स्टेकिंग की समुचित एवं सुरक्षित व्यवस्था रखने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बिचौलियों एवं अवैध गतिविधियों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी तथा इनके विरुद्ध निरंतर एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पर्याप्त बारदाने उपलब्धता कराई जाए को

बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 15 दिनों की धान खरीदी को ध्यान में रखते हुए सभी समितियों में पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने भौतिक सत्यापन को अत्यंत गंभीरता से, पूरी लगन एवं पारदर्शिता के साथ करने, यूएफआर को समय पर अपडेट करने तथा किसी भी प्रकार के स्टॉक मिसमैच से बचने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त एग्रीटेक पोर्टल में खसरा अपडेट करने हेतु सहायक कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से समितियों को आगामी 10 दिनों में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि धान खरीदी की प्रक्रिया निर्बाध, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जा सके।

प्रखर राष्ट्रवादी विचारक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ 22 को देंगे व्याख्यान : हितानंद

जानकारी देते हितानंद व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय पत्रकार और प्रखर राष्ट्रवादी वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ आगामी 22 दिसंबर को ऊर्जाधानी कोरबा के प्रवास पर रहेंगे। अपने इस एकदिवसीय प्रवास के दौरान वे नगर के प्रबुद्धजनों और युवाओं को संबोधित करेंगे। तिलक भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान हितानंद अग्रवाल, अशीष गोयल, गौरव मोदी, नितिन गुप्ता ने संबोधित करते हुए बताया कि उनके लगभग डेढ़ दर्जन साथियों ने मिलकर राष्ट्रीय विचार मंच का गठन किया गया। पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ एक वरिष्ठ भारतीय पत्रकार, राष्ट्रवादी वक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे विशेष रूप से कश्मीर, इस्लामी कटटरवाद और भारतीय इतिहास के विषयों पर अपने प्रखर विचारों के लिए जाने जाते हैं। उनका जन्म 2 दिसंबर 1965 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा अलीगढ़ से पूरी की। इसके बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविदयालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक और पत्रकारिता में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा किया। उन्होंने वी द सिटिजन नामक एक एनजीओ की स्थापना भी की। वे अक्सर भारतीय इतिहास के विकृत स्वरूप पर बात करते हैं और सनातनी मूल्यों की पुनर्स्थापना पर जोर देते हैं। वे वर्तमान में यूटयूब और विभिन्न सार्वजनिक मंचों के माध्यम से लोगों को कश्मीर की स्थिति और देश की आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों के बारे में जागरूक करते हैं। पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ देश के उन चुनिंदा वक्ताओं में से है जो कश्मीर मुददे, लव जिहाद, राम मंदिर मुद्दा, भारतीय सीमा सुरक्षा संवैधानिक इतिहास कानूनी मुददे, प्लेसेस ऑफ वरशिप (एक्ट 1991), ऐतिहासिक पुनर्मूल्यांकन, इस्लामिक कटटरवाद, हिंदू समाज की एकता, व्यवस्था परिवर्तन की मांग और राष्ट्रवाद जैसे विषयों पर बेबाक और तथ्य परख राय रखने के लिए जाने जाते हैं। 22 दिसंबर को शाम 4 बजे भारत का वर्तमान परिदृश्य और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी पर व्याख्यान देंगे।

जयभारत स्कूल कटघोरा में कार्निवाल के आयोजन से बच्चे सभी क्षेत्र में आगे: अजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

कार्निवाल में शामिल अतिथि व स्टाल के साथ छात्राएं।

नगर के प्रतिष्ठित एवं अग्रणी शिक्षण संस्थान जय भारत इंगलिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल कटघोरा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए एक भव्य एवं आकर्षक कार्निवाल का आयोजन बड़े उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस विशेष आयोजन का शुभारंभ अजय धनोंदिया अध्यक्ष अध्यक्ष पत्रकार संघ कटघोरा के द्वारा दीप प्रज्वलन व फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के डायरेक्टर आशुतोष अग्रवाल,डॉ हिमांशु खूंटियां, डॉ.लीलाधर सिंह, प्राचार्य विकास रंजन प्रधान मैनेजर कुणाल महापात्र उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्निवाल के अवसर पर विद्यालय को रंग-बिरंगी सजावट, आकर्षक गुब्बारों, बैनरों एवं झंडियों से सजाया गया था, जिसने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इस आयोजन में विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक, विज्ञान, कला, हस्तकला, खेल, एक से बढ़कर एक खानपान एवं मनोरंजन से जुड़े अनेक स्टॉल लगाए गए, जो आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे क्रिएटिव आर्ट वर्क, हस्तनिर्मित वस्तुओं और बच्चों की नवाचारपूर्ण सोच ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। मुख्य अतिथि अजय धनोंदिया ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता और सामाजिक सहभागिता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों को जीवन के व्यावहारिक अनुभव भी मिलने चाहिए क्योंकि आज के बच्चे सभी छेत्रो में आगे है, उन्होंने जय भारत स्कूल प्रबंधन एवं शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों और नैतिक मूल्यों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्निवाल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन, व्यावहारिक ज्ञान और सामूहिक सहभागिता का अवसर प्रदान करना है ताकि बच्चे आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बन सकें कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि अजय धनोंदिया को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया गया। इस सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों का विशेष योगदान रहा। जय भारत स्कूल, कटघोरा में आयोजित यह कार्निवाल न केवल विद्यार्थियों के लिए यादगार अनुभव रहा, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा, संस्कृति और रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाला एक प्रेरणादायक आयोजन भी सिद्ध हुआ।

खास बात

- हस्तनिर्मित वस्तुओं और बच्चों की नवाचारपूर्ण सोच ने सभी का खींचा ध्यान

भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक में चुनावी रैली पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

चुनावी रैली में मंथन करते पार्टी पदाधिकारी।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा कटघोरा एवं पाली तानाखार विधानसभा स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक प्रभारी अनिल केशरवानी के मुख्य आतिथ्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल एवं जिला सह प्रभारी बृजेश शुक्ला की उपस्थिति रही।

विधानसभा स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं जिले के नवनियुक्त प्रभारी अनिल केशरवानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासित और विचारधारा आधारित संगठन है, जहाँ प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता और जनसेवा का आधार है। आगामी समय में संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसंपर्क अभियानों को और अधिक प्रभावी एवं तेज करने की आवश्यकता है, ताकि पार्टी की नीतियाँ और सरकार की उपलब्धियाँ जन-जन तक पहुँच सकें। श्री केशरवानी ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा की ताकत उसकी संगठित कार्यप्रणाली और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनके बल पर पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है। बैठक में डॉ. पवन सिंह, रामदयाल उईके, राजेंद्र राजपूत, प्रीतम देवांगन, अजय जायसवाल, मनोज शर्मा, पवन गर्ग, अजय पांडेय, संजय शर्मा, लक्की नंदा, सतीश झा, नवीन अरोरा, अर्जुन गुप्ता, शैलेन्द्र यादव, विवेक मार्कण्डेय आदि उपस्थित थे।

युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की धुरी : तोमर

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की धुरी है। युवाओं को जागरूकता अभियान, जनसंपर्क और सेवा कार्यों के माध्यम से आगे आना होगा। उन्होंने युवाओं से संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने, सकारात्मक सोच के साथ समाज में परिवर्तन लाने तथा पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुँचाने का आह्वान किया। श्री तोमर ने विश्वास जताया कि युवाओं की सक्रिय सहभागिता से सरकार की योजनाएँ धरातल पर प्रभावी रूप से साकार होंगी। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और इसी सामूहिक शक्ति के बल पर पार्टी निरंतर जनता का विश्वास जीत रही है।

पृष्ठ 1 का शेष

मेडिकल कॉलेज....

लगाई गई टीवी के बंद होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए, वहीं बच्चो को दी जाने वाली आहार की जानकारी लेते हुए उन्होंने किचन में जाकर सब्जी, दाल की गुणवत्ता को भी परखा और दाल पतली दिखाई देने पर गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यहां भर्ती बच्चे का वजन कराकर वजन में हो रहे सुधार की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने एनआरसी में अव्यवस्थाओं को लेकर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दुदावत ने अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने, आपातकालीन मरीजों को त्वरित एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आपातकालीन सेवा, शिशु वार्ड, महिला एवं पुरुष वार्ड, बर्न यूनिट, एनआरसी, डायलिसिस सेंटर, ऑपरेशन थियेटर, सोनोग्राफी, मनोरोग, गायनिक, नेत्र विभाग, ओपीडी सेवा, एसएनसीयू, सेंट्रल किचन, हमर लैब, ट्रामा सेंटर तथा स्टोर रूम का निरीक्षण किया। इसके साथ ही खराब उपकरणों के मेंटेनेंस, बारिश में पानी रिसाव रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

मनरेगा से महात्मा...

ताकत झोंक दी है। मनोज चौहान ने इस बैठक में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई, इंटक, सेवादल और पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग, पार्षद, पूर्व पार्षद, ब्लॉक, मंडल, वार्ड एवं बूथ कमेटी के पदाधिकारी बैठक में शामिल होने अपील किया है।

पड़ोसी जिले के...

ने इससे पहले 12 अप्रैल 2025 को अपराध समीक्षा बैठक में जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को जुआ जैसे सामाजिक अपराध में शामिल लोगों को चिन्हित कर सख्त वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद थाना प्रभारी करतला कृष्ण कुमार वर्मा द्वारा जुए से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसपी के अनुसार यह लापरवाही, कर्तव्य विमुखता, स्वेच्छाचारिता और संदिग्ध कार्यशैली का मामला है। इसी आधार पर निरीक्षक कृष्ण कुमार वर्मा, थाना प्रभारी करतला को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय रक्षित केंद्र कोरबा रहेगा।

शपथ पत्र

मैं जयनाराण अग्रवाल उम्र 70 साल पिता स्व. चन्द्रभान अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी वार्ड कमांक 14 कसनिया तहसील पोडीउपरोडा जिला कोरबा छ.ग. का निवासी हूँ। जो निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँः-

1. यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवासरत हूँ।
2. यह कि मेरे नाम पर मौजा ग्राम कसनिया प.ह.नं. 44 रा.नि.मं. सुतर्रा तहसील पोडीउपरोडा जिला कोरबा छ.ग. के अन्तर्गत भूमि स्वामी हक की भूमि स्थित है जिसका खसरा नं. 337/1, 337/2 रकबा कमशः 0.077. 0.081 हे. भूमि स्थित है।
3. यह कि उक्त भूमि का पंजीयन का मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गयी है तथा काफी खोजबीन करने के पश्चात भी नहीं मिल रही है।
4. यह कि उक्त शपथ पत्र पंजीयन का मूल दस्तावेज गुम हो जाने के संबंध में शपथपत्र का निष्पादन मेरे द्वारा किया गया है।

अस्तु आशय के संबंध में शपथ पत्र सादर सम्पेषित।

जयनारायण
शपथकर्ता

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मे. JMK Agro Products एक पार्टनरशिप फर्म के रूप में दिनांक 20/12/2023 से संचालित हो रही है जिसमे अरुण अग्रवाल एवं मनीषा सिंघल पार्टनर हैं। दिनांक 06/10/2025 से उक्त फर्म में वंश अग्रवाल एवं रेशमी सिंघल नए भागीदार के रूप में शामिल हो रहे हैं। तथा उसके पश्चात फर्म का संचालन पूर्ववत बाकी सभी भागीदारों द्वारा (वंश अग्रवाल एवं रेशमी सिंघल सहित) पार्टनरशिप फर्म के रूप में किया जाएगा। उपरोक्त सूचना रजिस्टर फर्म एवं संस्था कार्यालय में संशोधन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

फर्म
मे. JMK Agro Products
ऑफिस एड्रेस–shop no 310,311,312 SS Plaza PH Road, कोरबा 495677 फैक्ट्री एड्रेस–ग्राम मानी, जिला सूरजपुर 497226

भवदीय
जे.एम.के. एग्रो प्रोडक्ट्स
मनीष सिंघल पार्टनर

खबर संक्षेप

परिजनों ने किया नेत्रदान संकल्प को पूरा

कोरबा। आयुर्वेद चिकित्सक और होटल शालीन के संचालक स्व हेमंत और उमा के

पिता डॉ एमएन उपाध्याय का निधन हो गया। डॉ उपाध्याय के संकल्प को पूर्ण करते हुए उनके परिजनों ने उनका नेत्रदान किया। डॉ एमएन उपाध्याय की मृत्यु के पश्चात उनके परिजनों ने भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों को सूचित कर उनके नेत्रदान के संकल्प को पूर्ण करने की मंशा जाहिर की। मेडिकल कॉलेज के नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने कॉर्निया निकाल कर उसे किसी जरूरतमंद को प्रदान करने के लिए सिम्स बिलासपुर भेज दिया है।

सृष्टि महिला समिति ने विद्यार्थियों को बांटा गर्म कपड़े व पाठ्यसामग्री

कोरबा। सृष्टि महिला समिति द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मानिकपुर में सौ विद्यार्थियों को विंटर जैकेट, ड्रॉइंग कॉपी, रंग, पेंसिल, चॉकलेट एवं फ़ूड पैकेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल, बिलासपुर की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन एवं सभी उपाध्यक्षाओं के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उनके नेतृत्व में समाजसेवा एवं कल्याणकारी कार्य की यह पहल बच्चों को न केवल ठंड से संरक्षण प्रदान करने बल्कि उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं पोषण पर ध्यान केंद्रित करने हेतु महत्वपूर्ण रही। आयोजन में सृष्टि महिला समिति, एसईसीएल की अध्यक्षा श्रीमती अनीता गुप्ता, श्रीमती जे रूपा एकम्ब्रम, मानिकपुर उप क्षेत्र, एवं श्रीमती अनुपमा सिन्हा, रजगामार उप क्षेत्र, श्रीमती संगीता रॉय, डीएसबी उप क्षेत्र एवं समिति की सभी समर्पित सदस्याओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके सहयोग से कार्यक्रम उत्साहपूर्वक एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

ग्राम पंचायत पुटूवा में मनाया गया गुरूघासीदास जयंती

सुतर्रा। सत्य अहिंसा और समाजिक समरसता के संदेशवाहक सतनाम धर्म के प्रवर्तक गुरुघासीदास बाबा की जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय गुरुघासीदास लोक कला महोत्सव ग्राम पंचायत पुटूवा में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पवन कुमार सिंह अध्यक्ष जिला पंचायत कोरबा, महेश कुर्रे समाज प्रमुख, श्रीमती माधुरी देवी सिंह अध्यक्ष, जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा, प्रताप मरावी सरपंच संघ अध्यक्ष पोड़ी उपरोड़ा, श्रीमती कविता खुरसेंगा जनपद सदस्य, चतुर्भुवन नायक जनपद सदस्य, विलास अलंग सरपंच ग्राम पंचायत पुटूवा, हीरा राम कुर्रे पुजारी बाबा ग्राम कोरबी सिंघिया, जिला प्रशासन से श्रीकांत कासेर सहायक आयुक्त जिला कोरबा, जयप्रकाश डड़सेना सीईओ जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला स्तरीय व ब्लॉक स्तर के अधिकारी, कर्मचारी स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत तुमान, बरबसपुर,अमलडीहा, पोड़ीगोसाई सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सेमीपाली में मनाया गया गुरुघासीदास की जयंती

हाऊसिंग बोर्ड सेमीपाली की सतनाम महिला समिति के द्वारा बहुत ही धूमधाम से गुरुघासीदास जयंती पर्व मनाया गया।जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद श्री मुकुंद सिंह कंवर जी को आमंत्रित किया गया। बाबा गुरुघासीदास की अमृत वाणी मनखे मनखे एक समान की विचारधारा को याद करते हुए उनके संदेश को बताया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा समस्त ग्रामवासी के द्वारा बाबा की आरती की गई।भजन गाए गए। तथा पंथी नृत्य का आयोजन किया गया।

कड़ाके की ठंड से बढ़ी ठिठुरन, नगर पालिका ने चौराहों पर जलावाया अलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

जिले में लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। पूर्वोत्तर दिशा से चल रही ठंडी हवाओं का असर अब छत्तीसगढ़ में भी साफ दिखाई देने लगा है। बीते कुछ दिनों से जिले में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार की सुबह पूरा जिला घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया, जिससे सूर्य देव के दर्शन तक लोगों को नहीं हो सके। ठंड और कोहरे के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

अलग खबर

कटघोरा नगर पालिका क्षेत्र में बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर पालिका परिषद ने राहत के इंतजाम शुरू कर दिए हैं। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राज जायसवाल एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) मुद्रिका प्रसाद तिवारी के निर्देश पर नगर पालिका क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। शहर के मुख्य चौराहों, बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक, तहसील चौक सहित अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव जलवाए गए हैं, ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके। नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने बताया कि शहर में लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए अलाव की व्यवस्था की गई है। विशेष रूप से बस स्टैंड और आसपास खुले में रहने वाले लोगों एवं यात्रियों को ठंड से बचाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर नगर पालिका द्वारा शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अलाव की व्यवस्था की जाएगी। वहीं नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मुद्रिका प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस समय ठंड और ठिठुरन अपने चरम पर है। आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका द्वारा अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि लोग ठंड से बच सकें। उन्होंने आगे बताया कि मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए नगर पालिका परिषद कटघोरा पूरी तरह से तैयार है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त इंतजाम किए जाएंगे। नगर पालिका की इस पहल से राहगीरों, मजदूरों, यात्रियों और जरूरतमंद लोगों को ठंड से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

लगातार तापमान में हो रही गिरावट

खास बातें

- चौक चौराहों पर जलाया जाएगा अलाव
- ठंड से बचने गर्म कपड़े पहनकर निकले घरों से

सीसीएफ बिलासपुर ने प्रभावी क्षेत्रों का किया दौरा, चार अलग अलग टीम कर रही ट्रैकिंग

दंतैल हुआ हिंसक, पर्यटकों के लिए कॉफी पाइंट किया गया बंद, सतरेंगा में भी मंडरा रहा खतरा

सड़क में लगाया गया बेरीकेट्स।

ग्रामीणों को समझाइश देते वन विभाग के कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

तीन लोगों को मौत के घाट उतारने वाला दंतैल बालको रेंज में ही डेरा डाला हुआ है। खतरे को देखते हुए कॉफी पाइंट को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है, तो वहीं दूसरी ओर सतरेंगा मार्ग पर भी खतरा मंडरा रहा है। यदि ऐसी नौबत आई तो सतरेंगा पर्यटन केन्द्र को आम लोगों के लिए बंद किया जा सकता है। वहीं सीसीएफ बिलासपुर सहित अन्य अधिकारी लगातार दंतैल हाथी की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं। सीसीएफ स्वयं बालको रेंज में अपनी टीम के साथ मौजूद हैं और अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं, जिसके आधार पर वन विभाग की टीम लगातार काम कर रही है।

उल्लेखनीय है कि बिलासपुर, कटघोरा व कोरबा वनमंडल में उत्पात मचाने के बाद पिछले तीन दिनों में दंतैल हाथी ने कटघोरा और कोरबा में तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया है और पिछले दो दिनों से दंतैल हाथी बालको रेंज के बेला के आसपास डेरा डाला हुआ है। बताया जाता है कि शनिवार को खतरे के अंदेशे को देखते हुए वन विभाग ने बालको-कॉफी प्वाइंट मार्ग को पूरी तरह पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जब तक खतरा टल नहीं जाता तब तक इस मार्ग को आम जनता के लिए नहीं खोला जाएगा। वहीं दूसरी ओर हाथी कभी भी पलट कर सतरेंगा, अजगरबहार मार्ग की ओर जा सकता है और यदि इस तरह की नौबत आई तो रविवार को सतरेंगा मार्ग को भी बंद किया जा सकता है। हालांकि हाथी के निगरानी के लिए बालको रेंज में चार अलग अलग टीम गठित की गई है और हाथी के हर गतिविधि पर वन विभाग की पैनी नजर है, तो वहीं दूसरी ओर शनिवार को बिलासपुर सीसीएफ मनोज पाण्डेय भी कोरबा प्रवास पर थे। जहां उन्होंने वनमंडलाधिकारी प्रेमलता यादव के साथ बालको रेंज का दौर किया और हाथी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों का हालचाल जाना और हाथी की किस तरह ट्रेकिंग करनी है और लोगों के जानमाल को कैसे सुरक्षित करना है इसे लेकर वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया है। वहीं दंतैल हाथी के लगातार विचरण क्षेत्र में लोग भयभीत हैं। वन विभाग की टीम लगातार हाथी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर मुनादी कर रही है और लोगों को घरों में रहने की अपील कर रही है।

सड़क पर सुरक्षा के लिए तैनात वन विभाग के कर्मचारी।

फुलसर में हाथी ने मकान को तोड़ा, ग्रामीण हुआ घायल

कटघोरा वनमंडल के केंदई, रेंज अंतर्गत आने वाले ग्राम फुलसर में अचानक एक हाथी के आ जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। शुक्रवार की सुबह लगभग साढ़े चार बजे एक दतैल हाथी ने फुलसर निवासी रविंद्रा सिंह नेटी के कच्चे के दीवार को तोड़ दिया, जिससे घर में सो रही 75 वर्षीय राज कुंवर पिता दादू राम गोंड एवं 21 वर्षीय अमन कुमार पिता दल प्रताप के उपर दिवाल का हिस्सा गिर जाने से वह घायल हो गया, हाथी के आने की आवाज सुनकर मकान मालिक रविन्द्रा सिंह दहशत में आकर आवाज लगाने लगा तब आसपास के लोग जुट गए, तब जाकर हाथी ने जंगल की ओर रुख किया, उसके बाद ही परिवार राहत की सांस ली। रविंद्रा सिंह ने बताया कि उन्हें हाथी के आने की कोई जानकारी नहीं थी और ना ही हाथियों के झुंड द्वारा किसी प्रकार की गांव में मुनादी कराई थी, अचानक हाथी के आक्रमण से रविंद्रा सिंह ने बताया कि उसके रिश्ते में लगने वाले भांजे अमन कुमार के उपर दिवाल के हिस्से गिरने से वह बुरी तरह घायल हो गया, उसे इलाज के लिए कोरबी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बगल में सो रही 75 वर्षीय वृद्ध महिला राज कुंवर इस हादसे में बाल बाल बच गई। घर में रखे कम्प्यूटर सेट, डबल बैड, अन्य किमती सामान टुट कर तहस नहस हो गया। घटना की सूचना स्थानीय वन विभाग को दी गई है।

नगर में निकाली गई जागरूकता रैली

कोरबा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए कमला नेहरू महाविद्यालय की रेड रिबन क्लब व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों के द्वारा गोदग्राम भादा में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा डॉ सीके सिंह व टीकाकरण अधिकारी डॉ पुष्पेश के आव्हान तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन एवं रासेयो जिला संगठक वायके तिवारी के निर्देशन में 0 से 5 आयु वर्ग के सभी बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाने हेतु जागरूकता रैली का आयोजित कर राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए आह्वान किया गया। ग्रामवासियो को 21 दिसंबर राष्ट्रीय प्लस पोलियो दिवस की जानकारी प्रदान कर पोलियो टीकाकरण की आवश्यकता, कुष्ठ व टीबी जैसी विभिन्न बीमारियों से बचाव के संबंध में जानकारी प्रदान कर घर-घर जाकर शत प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य प्राप्त कर पोलियो पर जीत को बरकरार रखने के लिए प्रेरित किया गया। स्वयंसेवकों ने ग्राम की मितानिनों श्रीमती निशा यादव, सावित्री यादव, गायत्री यादव के साथ पोस्टर व पम्पलेट बनाकर नारों के वाचन करते हुए ग्राम का भ्रमण किया तथा रैली निकाली।

नशे में युवक ने पी लिया कीटनाशक, मौत

अम्बिकापुर। नशे में धुत युवक ने कीटनाशक पी लिया। परिजन युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम सिलफिली कमलपुर निवासी आकाश सरकार आ. सुदेव सरकार (21 वर्ष) 15 दिसंबर को परिजन को बिना बताए घर से निकला था। इसी बीच पिता काम कर घर लौटा और पुत्र को घर मे न देख पूछताछ किया तो परिजन ने जानकारी नहीं होने की बात बताई।

ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर कुणाल दुदावत को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान समिति ने जिले के हजारों भू-विस्थापितों की लंबे समय से लंबित समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

समिति ने अवगत कराया कि एसईसीएल, एनटीपीसी, सीएसईबी, और बालको जैसे औद्योगिक संस्थानों के कारण हजारों स्थानीय ग्रामीणों और आदिवासियों को अपनी पैतृक भूमि गंवानी पड़ी है वर्तमान में ये परिवार रोजगार सहित पुनर्वास और बसाहट की बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विस्थापन से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा के लिए एक विशेष सेल का गठन किया जाए या एक विशेष जनसुनवाई आयोजित की जाए समिति ने मांग की है कि प्रशासन संबंधित औद्योगिक प्रबंधनों एसईसीएल, विद्युत संयंत्रों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्थापितों को न्याय दिलाए। समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने कलेक्टर को अवगत कराया कि मूलभूत सुविधाओं और हक के अभाव में जिले के आदिवासियों पिछड़े तबकों और विशेषकर युवाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है उन्होंने उम्मीद जताई है कि नए जिलाधीश के कुशल नेतृत्व में कोरबा के विकास के साथ-साथ यहाँ के मूल निवासियों को भी उचित न्याय मिलेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान समिति के प्रतिनिधिमंडल विजयपाल सिंह तंवर, रुद्र दास महंत, अनुसुईया राठौर, संतोष कुमार चौहान, श्रीकांत सोनकर, ललित महिलांगे उपस्थित रहे।

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के सदस्य।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार गंभीर

अम्बिकापुर/सेदम। बेटी को लेने जा रहे बाइक सवार को एनएच 43 कुनकुरी के समीप विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्राम सुवारपारा पालीहारीडुगु निवासी गिरधर आ. झांगम (33 वर्ष) स्कूल की छुट्टी होने पर आज अपनी बेटी को लेने बाइक क्रमांक सीजी 15 डीक्यू 5772 से वेलकोटा हॉस्टल जा रहा था। जैसे ही बाइक सवार एनएच 43 कुनकुरी पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार फरार हो गया। दुर्घटना में बाइक सवार पैर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही अचेत हो गया। इधर घटना को देख लोगों ने घायल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां घायल का उपचार जारी है।

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान
डॉ. एल.सी. मदरिया MBBS,MS नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फैको सर्जन
डॉ. एश्वर्या मदरिया MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अधत्व का त्वरित इलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277,
मो. : 9826190123, 9669979123

उद्योग मंत्री के मुख्य आतिथ्य में हुआ विकास कार्यों का भूमिपूजन

बालको के 8 वार्डों में होंगे 2 करोड़ से अधिक के विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में सुशासन, सुरक्षा, विकास व अधिकतम जनकल्याण की गारंटी हैं, वे विगत 11 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं, इस दौरान विश्व स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ा है, देश सशक्त, सुरक्षित व विकसित हुआ है, विकास की रफ्तार बढ़ी है तथा देश के लोगों में प्रधानमंत्री के प्रति विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन में राज्य में सुशासन स्थापित हुआ है तथा भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रशासन की हमारी संकल्पना साकार हुई है।

उक्त बातें उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर निगम के बालको जोनांतर्गत वार्ड क्र. 38, 39, 40, 41, 42, 43, 46 व 47 में 2 करोड़ 61 लाख रूपये के विकास कार्यों के भूमिपूजन के दौरान कही। कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो नगर निगम कोरबा क्षेत्र के लिए विगत 2 वर्ष के दौरान लगभग 8 सौ करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों को स्वीकृति दी जा चुकी है। कोरबा के विकास के लिए धनराशि की कमी नहीं होने दी जाएगी तथा क्षेत्र के जनताजनार्दन की मांग व उनकी आवश्यकता के अनुरूप बिना किसी भेदभाव के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य होंगे। वार्ड क्र. 38 चेकपोस्ट लालघाट में 8 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक मंच का लोकार्पण किया गया। बालको जोन के रिसदा में 30 लाख रूपये की लागत से सीसी रोड एवं नाली निर्माण, चेकपोस्ट भदरापारा में 10 लाख रूपये की लागत से सीसी रोड नाली निर्माण, अमरसिंह होटल के पास 8 लाख रूपये की लागत से सीसी रोड नाली निर्माण, चेकपोस्ट भदरापारा में 14 लाख 50 हजार रूपये की लागत से सीसी रोड नाली निर्माण, इसके अलावा विभिन्न स्थानों में 30 लाख रूपये की लागत से सीसी रोड नाली निर्माण, परसाभांठा बालको नवधा पण्डाल के पास 15 लाख रूपये की लागत से किचन शेड व कक्ष का निर्माण किया जाना हैं। इसी प्रकार पाड़ीमार में 20 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण, पाड़ीमार बालको चिंतामणी साहू के घर से स्वास्थ्य केन्द्र तक 5 लाख रूपये की लागत से सीसी रोड नाली निर्माण, 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, 25 लाख रूपये की लागत से सीसी रोड नाली निर्माण, पार्षद घर के पीछे तालाब के चारों ओर 15 लाख रूपये की लागत से सीसीरोड निर्माण एवं उन्नयन कार्य किए जाने हैं। इसी प्रकार बालकोनगर दैहानपारा स्थित शिव मंदिर के पास 15 लाख रूपये की लागत से तालाब का जीर्णोद्धार कार्य, दैहानपारा राखड़ डेम के पास 27 लाख 70 हजार रूपये की लागत से एसएलआरएम सेंटर का निर्माण कार्य, कैलाशनगर में 20 लाख रूपये की लागत से सीसी रोड के काम होंगे।

विकास कार्यों का भूमिपूजन करते उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं अन्य।

हरिभूमि नं. 1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780